सी.एम.सी. समाचार

खंट 17, सं. 1, जनवरी-जून 2005

सी.एम.सी. का विस्तार सी.एस.आई.आर. मद्रास कॉम्प्लेक्स है। इसमें निम्न पाँच प्रयोगशालाओं के क्षेत्रीय केन्द्र है:

1. केन्द्रीय विद्युत रसायन अनुसंधान संस्थान (सी.ई.सी.आर.आई.), कारैक्कुडी, 2. केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सी.ई.ई.आर.ई.), पिलानी, 3. केन्द्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन (सी.एस.आई.ओ.), चण्डीगढ़, 4. राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (एन.एम.एल.), जामशेदपुर, 5. राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (एन.ई.ई.आर.आई.), नागपुर।

पूछताछ निम्न पते पर करें:
समन्वय निदेशक,
सी.एस.आई.आर. मद्रास कॉम्प्लेक्स,
तरमणी, चेन्नै - 600 113, भारत

वेब-साईट: www.csirmadrascomplex.gov.in
दूरभाष: 22542122
फैक्स: (044) 22541973
ई-मेइल: csiradmn@vsnl.net

सी.एम.सी. वेब साईट

सी.एम.सी. के वेब साईट पते में परिवर्तन है। अतः नवा पता है:
http//www.csirmadrascomplex.gov.in

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

सी.एम.सी. और एस.ई.आर.सी. द्वारा संयुक्त रूप से विज्ञान ऑडिटोरियम में दि. 11 मई, 2005 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया गया। समारोह में प्रोफेसर वी.एन. गुप्चुप, प्रिन्सिपल और सचिव, वी.जे.टी.आई. एवं अध्यक्ष, अनुसंधान परिषद, एस.ई.आर.सी. मुख्यातिथि थे। डॉ. एन. लक्ष्मणन, निदेशक, एस.ई.आर.सी. एवं समन्वय निदेशक सी.एम.सी. ने स्वागत भाषण दिया तथा श्री सी.वी. वैद्यनाथन, निदेशक ग्रेड वैज्ञानिक एवं प्रबन्ध सलाहकार, एस.ई.आर.सी. ने मुख्यातिथि का परिचय दिया। प्रोफेसर गुपचुप ने "तक्नालजी क्रियेशन-नीड ऑफ़ दि नेशन" विषय पर भाषण दिया। डॉ. के.आर. श्रीधरन, उप निदेशक एवं सूचना प्रभाग के अध्यक्ष, एस.सी.आर.सी. ने धन्यवाद दिया।

सिक्री

सिक्री इकाई ने कैंपस में अपने नए स्थान में दि. 11 अप्रैल, 2005 को कार्य प्रारंभ किया है। इस अवधि में सिक्री इकाई में एन.एम.आई.टी.एल.आई. कार्यक्रम के तहत निम्न सुविधाएँ उपलब्ध कराया गया है:

(i) मल्टिस्टाट पोटेन्शियोस्टाट/गाल्वनोस्टाट विथ फ्रीक्वेन्सी रेस्पोन्स अनलाइसर (सोलाटोन) तथा
(ii) इलेक्ट्रोकेमिकल वर्क्सस्टेशन (ऑटोलेब)

इस केन्द्र में विकसित किए गए "कटेलाइसिस" के मूल्याँकन के लिए इन उपकरणों का प्रयोग किया जाता है।

सीरी

अनुसंधान व विकास समाचार

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, संचार व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित सहायता अनुदान परियोजना 'पेपर डेर्ट स्पेक अनलाइसर' के परियोजना समीक्षा एवं स्टीयरिंग ग्रूप (पी.आर.एस.जी.) की द्वितीय बैठक चेन्नै में दि. 11 फरवरी, 2005 को हुई।

नई परियोजनाएँ

मान्गो सोर्टर - राष्ट्रीय होर्टिकल्चर बोर्ड, चेन्नै द्वारा प्रायोजित।

इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य है मशीन विज्ञान तथा इमेज़ एनालिसिस तकनालजी के आधार पर आम को उसकी गुण-स्तर के आधार पर सोर्टिंग करना। इसमें आम का वर्गीकरण उसके रंग, मोटाई, आकृति, वजन तथा बाह्य खराबी के आधार पर होता है। अधिक मात्रा में निर्यात होने वाले आम को ध्यान में रखते हुए प्रारंभिक तौर पर यह कार्य चल रहा है। इसके सहायता अनुदान

रु. 10.00 लाख से प्रथम किश्त के रूप में रु. 5.00 लाख उपलब्ध कराया गया है।

नवी मुंबई के मेसर्स स्टे-फ्रेश कंपनी ने इस परियोजना का सह-प्रायोजन करने तथा मांगो सोर्टर के लिए उपयोग करने के लिए सीरी के सुझावानुसार एक कन्वेयर सिस्टम उपलब्ध करने की सहमती प्रकट की है।

'सोफ्ट एक्स-रे इमेजिंग' के प्रयोग से 'ऑन लाइन मान्गो सोर्टिंग सिस्टम' को विकसित करना:– विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित परियोजना। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य है एक्स-रे इमेजिंग तकनालाजी के सहारे आम को उसके आन्तरिक खराबी के आधार पर सोर्टिंग के लिए उपयुक्त कन्वेयर को विकसित करना। इसके लिए विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग ने रु. 20.71 लाख से प्रथम किश्त के रूप में रु. 20.00 लाख दिया है।

हैदराबाद के मेसर्स चेन्नल्वा एजेन्सीस प्राइवेट लिमिटेड ने इस परियोजना का सह-प्रायोजन करने की सहमति व्यक्त की है। इसके अनुसार वे सीरी केन्द्र की आवश्यकता के अनुसार मेकानिकल कन्वेयर का निर्माण करके देंगे और इस संबन्ध में इस कंपनी के साथ एक समझौता हस्ताक्षरित होने वाली है।

महत्वपूर्ण घटनाएँ

सीरी और नवी मुंबई के मेसर्स, स्टे-फ्रेश के बीच दि. 20 अप्रैल, 2005 को "मांगो सोर्टर" परियोजना की समझौता हस्ताक्षरित हो गई है जिसका वित्तपोषण राष्ट्रीय होर्टिकल्चर बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा होगा।

सी.एस.आई.ओ.

सी.एस.आई.ओ. चेन्नै केन्द्र द्वारा दि. 07-18 मार्च, 2005 के दौरान अस्पताल के डॉक्टरों और तकनीशियनों के लिए "जैव-चिकित्सा उपकरणों के अनुरक्षण व मरम्मत" पर मोहन कुमारमंगलम मेडिकल कालेज एण्ड होस्पिटल, सेलम में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया।

कुमारमंगलम मेडिकल कालेज एण्ड होस्पिटल, सेलम की डीन डॉ. अनुसूया ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उद्घाटन कार्यक्रम में मेडिकल हेल्थ सेर्विसेस, सेलम का संयुक्त निदेशक अध्यक्ष थे।

नामक्कल, आट्टूर, मेट्टूर डाम, तिरुपत्तूर, वाणियम्बाडी, क्रिष्णगिरी, धर्मपुरी और इरोड के सरकारी अस्पतालों से 11 डॉक्टर तथा 14 तकनीशियन ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को पाठ्यक्रम की सहायक सामग्री एवं टूल-किट निशुल्क दिये गये।

इस प्रकार का दूसरा प्रशिक्षण कार्यक्रम 16-27 मई, 2005 के दौरान तन्जावूर मेडिकल कालेज में किया गया। तन्जावूर मेडिकल कालेज और अस्पताल के डीन डॉ. कलैसेल्वी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उद्घाटन कार्यक्रम में उप-अधीक्षक डॉ. बालकृष्णन अध्यक्ष थे।

इस दूसरे प्रशिक्षण कार्यक्रम में मइलाडुतुरै, सीर्काळी, नागपट्टिनम और नामक्कल क्षेत्रों के सरकारी अस्पतालों से 12 डाक्टर और 13 तकनीशियन ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को पाठ्यक्रम की सहायक सामग्री और टूल-किट नि-शुल्क दिए गए। प्रशिक्षण की समाप्ति पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र दिए गए।

नीरी

हिन्दुस्तान लीवर लिमिटेड रिसेर्च सेंटर, मुंबई द्वारा विकसित "वाटर प्यूरिफिकेशन यूनिट" की निष्पादन क्षमता का मूल्यांकन नीरी द्वारा सफलतापूर्वक किया गया।

एच.एल.एल.आर.सी. मुंबई के प्रायोजन में नीरी द्वारा तमिलनाडु के पेयजल की गुणवत्ता का अध्ययन किया जा रहा है। चेन्नै में महामारी के उद्रेक के सर्वेक्षण के लिए पाँच बस्तियों को पहचान लिया गया है। "वाइरल लॉड और पात्तोजेनिक प्रोटोसोन्स" का पता लगाने के लिए 134 जल-नमूनों को लिया गया है।

इन्लाण्ड वाटर्वेय्स अथोरिटी ऑफ़ इंडिया द्वारा प्रायोजित परियोजना "वेस्ट कोस्ट कनॉल एन डब्ल्यू-3 में पानी और अवसाद की गुणवत्ता के वैज्ञानिक अध्ययन" के तहत कोची-कोट्टप्पुरम, वेंबनाड लेक, कायम्कुलम कायल, अष्टमुडी कायल आदि समुद्रीय जलाशयों के विभिन्न भागों से जल नमूनों को लेकर जल और अवसाद की गुणवत्ता का अध्ययन किया गया है।

डाई-हाउस के अपजल से आर्गानिक प्रदूषकों को निकालने के लिए उपयोग किए जाने वाले हाइड्रोक्सिल राडिकल्स– के 'अति-ओक्सिडेशन प्रक्रिया' पर अध्ययन कार्य चल रहा है।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्रायोजित परियोजना "चेन्नै, पोण्डिच्चेरी, कोयम्बत्तूर, तिरुवनन्तपुरम, कोची और मदुरै के मुन्सिप्पल घन-अपशिष्टों की स्थिति का मूल्यांकन" का कार्य सफलतापूर्वक समाप्त किया गया है।

एक विशेष महत्वपूर्ण परियोजना–"तकनो-इकनोमिक वायबिलिटी एण्ड एनवयरण्मेंटल इंपाक्ट असेस्मेंट फोर दि सेतुसमुद्रम शिप कनॉल प्रोजेक्ट" का कार्य नीरी, नागपुर के सहयोग से सफलतापूर्वक समाप्त किया गया है तथा इसपर 'पर्यावरणीय निर्बाधता' भी प्राप्त हुआ है।

"सिप्काट इण्डस्ट्रियल एस्टेट, गुमडिप्पूण्डि में खतरनाक अपशिष्टों के निपटान हेतु प्रस्तावित सुविधा का प्राथमिक पर्यावरणीय मूल्यांकन" एक महीने में तैयार करके उसके प्रायोजक–तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड – को प्रस्तुत किया गया है तथा 'अतिशीघ्र पर्यावरणीय संघात' का मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार करने का कार्य समाप्त हो रहा है। पोण्डिच्चेरी सरकार की राज्य भूजल इकाई के लिए पोण्डिच्चेरी और कारैक्काल क्षेत्रों के भूजल की जल-रासायनिक अध्ययन का कार्य प्रति वर्ष चल रहा है।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित परियोजना "बयोतकनॉलजिकल डीकलराइसेशन एण्ड ट्रीट्मेंट ऑफ़ टेक्स्टाइल

वेस्ट वाटर्स:– पेर्स्पेक्टीव फॉर दि न्यु मिल्लेनियम" के तहत डाइहाउस के अपजल के विरंगीकरण के लिए एक नई तकनीक – "माइक्रोएरोफिलिक – एरोबिक प्रेसेस" विकसित कर लिया गया है और इसके यू.एस. पटेंट के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

जैव-प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजन के अधीन पेइंट/रेसिन उत्पादन के अपजल के जैव-अवक्रमण तथा उसकी फोर्मेल डीहाइड-मेथनोल में विलीन विषाक्तता का अध्ययन कार्य चल रहा है।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित परियोजना "कोन्सेन्ट्रेशन एण्ड डिटेक्शन ऑफ़ ह्यूमन एन्टेरिक वाइरस इन मराइन एन्वायरण्मेंट एण्ड सीफुड बाई पोलिमेरेस चेइन रियाक्शन एण्ड जेनी प्रोब" के अधीन समुद्रीय जल और समुद्रीय खाद्य में रोगाणुओं को पहचानने और उन्हें शीघ्र अलग करने के लिए एक तकनीक को विकसित कर लिया गया है।

सी.एम.आई.आर. की नेटवर्क परियोजना "एन्वायरण्मेंट फ्रण्ड्ली लेथर प्रोसेसिंग (एस.एम.एम.-10) में इस इकाई का विशेष योगदान है।

मेसर्स आइ.टी.सी. लिमिटेड, तिरुवोत्तियूर से नीरी इकाई को "लीचबिलिटी एण्ड इंजीनियरिंग प्रोपेर्टीस स्टडी फॉर दि सोलिड वेस्ट एन्काप्सुलेटेड कॉंक्रीट ब्लाक्स मेइड बाई आइ.टी.सी." परियोजना प्राप्त हुई है।

तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्रायोजित परियोजना "असेस्मेंट ऑफ़ डस्ट एमिशन्स फ्रम स्टॉन क्रशिंग इण्डस्ट्री इन त्रिशूलम एरिया" के अधीन कंकण अपघर्षण उद्योगों से बहिर्गमित धूल से आस पास के जीव-जन्तु और मनुष्यों के बचाव हेतु सुझाव देने की कोशिश की जा रही है।

एन.एम.एल.

मुख्य घटनाएँ

टेंपरेचर केलिब्रेशन तथा हाईनेस टेस्टिंग कार्यों के लिए इस केन्द्र को एन.ए.बी.एल. अक्रीडिएशन प्राप्त हुआ है।

टी.यू.वी. सूडेट्चन्द इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दि. 28 फरवरी, 2005 को इस केन्द्र का आई.एस.ओ. 9001:2000 पुनः प्रमाणीकरण ऑडिट किया गया तथा प्रमाण-पत्र की अवधि अप्रैल 2008 तक बढ़ाई गयी है।

नए उपकरण

1. मोडुलर काम्पाक्ट रियोमीटर - एम.सी.आर. 101 (एन्टन पार, जर्मनी)
2. हाई टेंपरेचर चेंबर फर्नस - एच.टी. 1800 एम. (लीन हाई थेम जेंभ, जेर्मनी)
3. थर्मो ग्राविटिक् एनलाइसर (लीन हाई थेम जेंभ, जर्मनी)
4. इयोन सेलेक्टीव इलेक्ट्रोड्स (थेर्मो इलेक्ट्रोन कार्पोरेशन, यू.एस.ए.)
5. इलेक्ट्रोफोरेटिक डीपोसीशन सेट-अप।

नई परियोजनाएँ

1. टी.आई. साइकिल्स लिमिटेड अंबत्तूर के आस पास क्षेत्र का जैव-पर्यावरणीय अध्ययन, मेसर्स टी.आई. साइकिल्स लिमिटेड, अंबत्तूर, चेन्नै द्वारा प्रायोजित परियोजना।
2. स्टेर्लाइट इन्डस्ट्रीस (इंडिया) लिमिटेड, टूटिकोरिन में ताँबा उद्पादन के धातुकर्मीय पहलुओं के पर्यावरणीय ऑडिट। यह परियोजना मेसर्स स्टेर्लाइट इण्डस्ट्रीस (इंडिया) लिमिटेड, टूटिकोरिन द्वारा प्रायोजित है।
3. एन.जी.आर.आई. हैदराबाद के लिए जल-नमूनों का रासायनिक विश्लेषण। यह एन.जी.आर.आई. द्वारा प्रायोजित है।

पुरस्कार

श्री एम. मुरुगानन्दन, डॉ. जी. भास्कर राजु और डॉ. एस. प्रभाकर को सेपरेशन एण्ड प्यूरिफिक्केशन तकनॉलजी पत्रिका (वोल 40 (2004), पुष्ठ 69-75) में प्रकाशित अपने अनुसंधान पत्र–"सेपरेशन ऑफ़ पोलूटण्ड्स फ्रेम टेनरी एफ्लुएण्ड्स बाई इलेक्ट्रो फ्लोटेशन" के लिए टामोटिश अवार्ड ऑन एनवायरण्मेंट पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

कार्मिक समाचार

भर्ती

क्र. सं.	नाम व पदनाम	नियुक्ति की तारीख
1.	श्री एम. विजयकुमार अनुभाग अधिकारी (भं. व क्र.)	10.03.2005

स्थानान्तरण/तैनाती

क्र. सं.	नाम व पदनाम	स्थानान्तरण	
1.	श्री एम. गणेशन ग्रूप IV(1)	सीएसआईओ, दिल्ली से	सीएसआईओ चेन्नै में
2.	श्री कृष्णा गुगुलोत ग्रूप IV(1).	एनएमएल, जमशेदपुर से	एनएमएल, चेन्नै में
3.	श्री रितेष कुमार सहायक (सा) ग्रेड I	सीएमसी, चेन्नै से	एनसीएल, पूणे में
4.	श्री तारा चन्द सफाई कर्मचारी	सीएमसी, चेन्नै से	सीरी, पिलानी में

सेवा निवृत्ति

क्र. सं.	नाम व पदनाम	सेवा निवृत्ति की तारीख
1.	श्री एन.एम. अश्वत्थैय्या होर्टिकल्चर सहायक	28.02.2005 अधिवर्षिता
2.	श्री टी.वी.के. दास तकनीकी अधिकारी (ई-I)	01.03.2005 स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति
3.	श्री जी. प्रसाद वैज्ञानिक ग्रूप-IV (5)	21.03.2005 स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति
4.	श्री बीर बहादुर सुरक्षा गार्ड (एसीपी)	31.05.2005 अधिवर्षिता
5.	डॉ. (श्रीमती) मेरी आन्टणी वैज्ञानिक ग्रूप-IV (4)	30.06.2005 अधिवर्षिता

सुनिश्चित पद प्रोन्नति

क्र. सं.	नाम व पदनाम & इकाई	वित्तीय प्रोन्नति की तारीख
1.	श्री एन. सुब्बय्या सफाईवाला (एसीपी), **सामान्य सेवाएँ**	11.02.2005

पदोन्नति

क्र. सं.	नाम, पदनाम & इकाई		पदोन्नति की तारीख
1.	श्रीमती आर. रेवती ग्रूप-III (5),	सीरी	10.08.1998
2.	श्री वी. गोपाल ग्रूप-III (5)	सीरी	22.04.1999
3.	श्री टी. चिन्नु ग्रूप-II (3)	सीरी	08.06.2000
4.	श्री आर. देवराजन ग्रूप-IV (4)	सीएसआईओ	01.02.2003
5.	श्री एळिल पाण्डियन ग्रूप-I (4)	सामान्य सेवाएँ	07.01.2004
6.	श्री टी.ए. नेसराज ग्रूप-II (4)	नीरी	21.02.2004
7.	श्री जोसफ विजयकुमार सहायक (सा) ग्रेड-I	सीरी	29.12.2004
8.	श्री एम. राममूर्ति सहायक (सा) ग्रेड-I	सामान्य सेवाएँ	16.06.2005

Evaluation of fuel cell electrodes using electrochemical work station (CECRI)

Inaugural function of training programme on 'Maintenance and Repair of Biomedical Instruments' (CSIO)

Thermo Gravimetric Analyser (NML)

The Proposed Alignment of the Sethusamudram Ship Canal (NEERI)

प्रकाशन : सी.एस.आइ.आर. मद्रास काम्प्लेक्स, तरमणी, चेन्नै-113 एवं मुद्रण : हिन्दी प्रचार प्रेस, टी. नगर, चेन्नै-17.
Published by CSIR MADRAS COMPLEX, Taramani, Chennai-113 and Printed at Hindi Prachar Press, T. Nagar, Chennai-17.